वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 14 अक्टूबर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

दैनिक जागरण आईनेक्स्ट

सकारात्मक मनोबल से बनता है संगठन का भविष्य :किरण

पूर्वांचल में मंगलवार मनोबल एवं प्रेरणा कार्यस्थल पर कार्यशाला का आयोजन

प्रेरणा ही कर्मचारियों की उत्पादकता की नींव : पूजनारायण

मनोबल और प्रेरणा पर आयोजित कार्यशाला में बोले, नेपाली शोधार्थी

जौनपुर (13 अक्टूबर):वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार को 'मनोबल एवं प्रेरणा: कार्यस्थल पर प्रदर्शन के निर्णायक आधार' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया.कार्यशाला में नेपाल से आए दो विद्वान शोधार्थियों ने विद्यार्थियों को कर्मचारियों के मनोबल, प्रेरणा, उत्पादकता और फंड प्रबंधन की व्यावहारिक समझ दी.यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि दोनों वक्ता विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं.

सकारात्मक दृष्टिकोण रखें

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के. रा. रा. ब. रामस्वरूप रामसागर बहुमुखी कैंपस, जनकपुरधाम, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल की सहायक प्रोफेसर किरण कुमारी साह ने 'मनोबल' पर विस्तृत व्याख्यान दिया.उन्होंने कहा कि मनोबल कर्मचारियों की सामूहिक, मानसिक स्थिति, उत्साह, आत्मविश्वास, संतुष्टि और संगठन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है.यह केवल व्यक्तिगत भावना नहीं, बल्कि समूह के रूप में कार्य करने और संगठन से जुड़े रहने की क्षमता भी है.उन्होंने कहा कि जब कर्मचारियों में उच्च मनोबल होता है, तो वे अपने कार्य में रुचि लेते हैं, टीम के साथ बेहतर सहयोग करते हैं, समस्याओं का साहसपूर्वक समाधान करते हैं और संगठन के लक्ष्यों को अपना मानते हैं. इसके विपरीत निम्न मनोबल की स्थिति में असंतोष, निराशा, अनुपस्थिति, कार्य में रुचि की कमी और उत्पादकता में गिरावट देखी जा सकती है.उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि फंड प्रबंधन में निवेशकों के धन का उचित, सुरक्षित और लाभकारी उपयोग किया जाता है.इसमें जोखिम, रिटर्न, बाजार की स्थिति और निवेश योजना का संतुलन बनाना आवश्यक होता है.कार्यशाला के दूसरे वक्ता पूजनारायण साह, प्रोजेक्ट मैनेजर, सेव द चिल्ड्रेन नेपाल ने 'प्रेरणा' विषय पर विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की.उन्होंने बताया कि प्रेरणा का अर्थ है.

किसी व्यक्ति को गति देना, प्रेरित करना या कार्य की ओर आगे बढ़ाना. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राकेश उपाध्याय ने कहा कि किरण कुमारी साह और पूजनारायण साह पीयू के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं.कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुशील सिंह ने अतिथियों एवं सभी उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया.मंच संचालन डॉ. अंजनी मिश्र व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील सिंह ने किया.इस दौरान डॉ. प्रिंस सिंह, डॉ. नितिन चौहान सहित विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे.



पूर्वांचल में छात्रों को संबोधित करते हुए.

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसान : डॉ. कल्पना

जौनपुर : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आई ईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एक डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया.उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है.उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की.डॉ. जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया.उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है. कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव व धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंदु मिश्र ने किया.कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे.

फार्मेसी संस्थान में पौधरोपण

जौनपुर : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान परिसर में मंगलवार को "सेवा के 25 वर्ष—सेवा मेरा योगदान" कार्यक्रम के अंतर्गत 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया गया. इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया गया.कार्यक्रम में बी.फार्मा एवं डी.फार्मा के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया.अभियान के तहत फार्मेसी संस्थान परिसर में व्यापक स्तर पर सफाई की गई, नए पौधे रोपे गए तथा पूर्व में लगे वृक्षों की टहनियों की छंटाई (प्रूनिंग) का कार्य संपन्न हुआ.विद्यार्थियों ने परिसर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी निभाई. कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने अपने संदेश में कहा, "सेवा और स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन की सहज कार्यशैली होनी चाहिए. फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र सिंह ने कहा, फार्मेसी का क्षेत्र मूलतः जन-सेवा से जुड़ा है.इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है.कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा, "परिसर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का सहयोग सराहनीय रहा.इस मौके

अमर उजाला

विद्यार्थियों ने सीखी ड्रोन के कंपोनेंट असेंबल करने की तकनीक

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और सीडैक नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप के दूसरे दिन विद्यार्थियों को ड्रोन के विभिन्न कंपोनेंट, फ्लाइट कंट्रोलर और पीआईडी कंट्रोलर की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई।

विद्यार्थियों ने ड्रोन कैलिब्रेशन और कंपोनेंट असेंबल करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। विश्वविद्यालय और सीडैक नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में मानवरहित विमान प्रणाली, सेंसर और उनके उपयोग विषय पर आयोजित बूटकैंप कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चल रहा है। इसके तहत विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक और सेंसर की कार्यप्रणाली की सैद्धांतिक जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तकनीकी सत्र में किरण वालिया ने ड्रोन के प्रमुख घटकों और विभिन्न आईसी की जानकारी दी।

सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर ईशा गुप्ता ने विद्यार्थियों को पीआईडी कंट्रोलर की कार्य प्रणाली समझाई। उन्होंने बताया कि यह ड्रोन को संतुलित रखने और उसकी उड़ान को स्थिर बनाए रखने में मदद करता है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कम्युनिकेशन लैब में व्यावहारिक सत्र आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने ड्रोन के विभिन्न कंपोनेंट को असेंबल करने का अभ्यास किया। कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. ज्योति पी. सिंह, डॉ. पारुल त्रिवेदी, पूनम सोनकर, प्रीति शर्मा, विशाल यादव, तुषार श्रीवास्तव, जया शुक्ला, सौरभ वी कुमार और प्रेम चंद मौजूद रहे।

अमर उजाला

विषम और सम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम की गलतियां सुधारने के लिए करें ई-मेल

विवि ने महाविद्यालयों को दिया अंतिम अवसर, ई-मेल से दर्ज कराएं शिकायतें

संवाद न्यूज एजेंसी

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 के विषम और सम सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों से संबंधित समस्याओं के निस्तारण के लिए महाविद्यालयों को दो दिन का समय दिया है।

परीक्षा परिणाम में समस्या हो तो कॉलेज सूचना उपलब्ध कराएं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन में महाविद्यालयों को समस्याओं का विवरण ई-मेल के माध्यम से भेजने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र में कहा गया कि

15 जुलाई, सात अगस्त और सात सितंबर को भी विवि ने जारी किया था पत्र

विश्वविद्यालय की ओर से पहले भी 15 जुलाई, सात अगस्त और सात सितंबर को पत्र जारी कर परीक्षा परिणामों से संबंधित समस्याएं भेजने को कहा गया था। इसके बावजूद कुछ महाविद्यालयों की ओर से समस्याओं का विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है।

ऐसे में विश्वविद्यालय ने पुनः सभी संबद्ध महाविद्यालयों को निर्देश दिया है कि वे विषम और सम सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों से जुड़ी समस्याओं का स्पष्ट विवरण तैयार कर प्राचार्य के हस्ताक्षर सहित भेजने को कहा है।

महाविद्यालयों को अपनी शिकायतें विश्वविद्यालय की ओर से जारी ई-मेल पर करनी होंगी। इसके लिए प्रतिदिन सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक का समय निर्धारित किया गया है।

विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि कई बार अनुस्मारक भेजे जाने के बाद अब दो दिन का अंतिम अवसर दिया जा रहा है।

महाविद्यालयों से निर्धारित अवधि में समस्याएं भेजने की अपील की गई है, ताकि परीक्षा परिणाम से संबंधित मामलों का निस्तारण किया जा सके।

अमर उजाला

पूविवि में विद्यार्थियों ने सीखी ड्रोन के कंपोनेंट असेंबल करने की तकनीक

पूविवि और सी-डैक नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और सीडैक नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप के दूसरे दिन विद्यार्थियों को ड्रोन के विभिन्न कंपोनेंट, फ्लाइट कंट्रोलर और पीआईडी कंट्रोलर की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई।

विद्यार्थियों ने ड्रोन कैलिब्रेशन और कंपोनेंट असेंबल करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। विश्वविद्यालय और सीडैक नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में मानवरहित विमान प्रणाली, सेंसर और उनके उपयोग विषय पर आयोजित बूटकैंप कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चल रहा है। इसके तहत विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक और सेंसर की कार्यप्रणाली की सैद्धांतिक जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तकनीकी सत्र में किरण वालिया ने ड्रोन के प्रमुख घटकों और विभिन्न आईसी की जानकारी दी। उन्होंने मिशन प्लानर सॉफ्टवेयर के माध्यम से ड्रोन कैलिब्रेशन की प्रक्रिया का प्रदर्शन भी किया। सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर ईशा गुप्ता ने विद्यार्थियों को पीआईडी कंट्रोलर की कार्य प्रणाली समझाई। उन्होंने बताया कि यह ड्रोन को संतुलित रखने और उसकी उड़ान को स्थिर बनाए रखने में मदद करता है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कम्युनिकेशन लैब में व्यावहारिक सत्र आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने ड्रोन के विभिन्न कंपोनेंट को असेंबल करने का अभ्यास किया।



ड्रोन के विभिन्न उपकरणों और उनके संयोजन की जानकारी देते विशेषज्ञ। पूविवि

प्रशिक्षण के दौरान उन्हें ड्रोन के तकनीकी हिस्सों की कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. ज्योति पी. सिंह, डॉ. पारुल त्रिवेदी, पूनम सोनकर, प्रीति शर्मा, विशाल यादव और प्रेम चंद मौजूद रहे।

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याओं का होता है समाधान : डॉ. कल्पना

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आईईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता सीडैक नोएडा की वैज्ञानिक एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है।

उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की। डॉ. जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया।

उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है। मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया।

कार्यक्रम में डॉ. प्रशांत यादव, डॉ. संतोष यादव, डॉ. ज्ञानेंद्र पाल, डॉ. सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडेय, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडेय, कृष्ण कुमार यादव उपस्थित रहे।

संचालन संयोजक रविकांत यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिव्येंदु मिश्र ने किया।

अमर उजाला

सेवा मेरा योगदान के तहत फॉर्मेसी संस्थान में हुआ पौधरोपण

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि के फार्मेसी संस्थान परिसर में मंगलवार को सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के तहत सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बीफार्मा एवं डीफार्मा के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अभियान के तहत फार्मेसी संस्थान परिसर में व्यापक स्तर पर सफाई की गई। नए पौधे रोपे गए तथा पूर्व में लगे वृक्षों की टहनियों की छंटाई की गई। कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने अपने संदेश में कहा सेवा और स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन की सहज कार्यशैली होनी चाहिए। संवाद

हिंदुस्तान

फ्लाइट कंट्रोलर होता है ड्रोन का ब्रेन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और सी-डैक, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप के दूसरे दिन विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक, सेंसर और उसके विभिन्न घटकों की जानकारी दी गई।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित बूटकैंप में सी-डैक की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने कहा कि फ्लाइट कंट्रोलर ड्रोन का ब्रेन होता है। किसी भी इलेक्ट्रॉनिक घटक का उपयोग करने से पहले उसकी डेटा शीट और स्पेसिफिकेशन को समझना जरूरी है। कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह आदि थे।

जनसंदेश टाइम्स

सेवा मेरा योगदान के अंतर्गत फार्मेसी संस्थान में हुआ पौधरोपण

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फार्मेसी संस्थान परिसर में मंगलवार को सेवा के 25 वर्ष सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में बी.फार्मा एवं डी.फार्मा के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। अभियान के तहत फामेर्सी संस्थान परिसर में व्यापक स्तर पर सफाई की गई, नए पौधे रोपे गए तथा पूर्व में लगे वृक्षों की टहनियों की छंटाई (प्रूनिंग) का कार्य संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने परिसर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर. के. सिंह ने अपने संदेश में कहा, सेवा और स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन की सहज कार्यशैली होनी चाहिए। युवा पीढ़ी जब समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझती है, तभी एक सशक्त और स्वच्छ भारत का निर्माण संभव है। फामेर्सी विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र सिंह ने कहा, फामेर्सी का क्षेत्र मूलतः जन-सेवा से जुड़ा है। इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि परिसर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का सहयोग सराहनीय रहा। हमारा प्रयास रहेगा कि इस प्रकार की सेवा गतिविधियां निरंतर आयोजित होती रहें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. राजकुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह सहित संस्थान के सभी शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसान : डॉ. कल्पना जौहरी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आईईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की।

डॉ. जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है।



व्याख्यान देतीं मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी।

मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया। छात्रों ने इस विशेष व्याख्यान में पूरी रुचि से प्रतिभाग किया और व्याख्यान के अंत में अपने प्रश्नों को भी पूछा। कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव, द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंदु मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स

फ्लाइट कंट्रोलर होता है ड्रोन का ब्रेनः किरण वालिया

कार्यक्रम

इंजीनियर ईशा गुप्ता ने सिखाए ड्रोन कंपोनेंट के असेंबल के गुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर और सी-डैक, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय में मानवरहित विमान प्रणाली, सेंसर और उनके उपयोग विषय पर पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक जैसी उभरती तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है, जिससे उनमें तकनीकी कौशल, नवाचार और अनुसंधान के प्रति गहरी रुचि विकसित हो रही है।

बूटकैंप के दूसरे दिन तकनीकी सत्रों में छात्रों को ड्रोन के महत्वपूर्ण घटकों और विभिन्न आईसी की विस्तृत जानकारी दी गई। सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने कहा कि ड्रोन का ब्रेन उसका फ्लाइट कंट्रोलर होता है और किसी भी घटक को संचालित करने से पूर्व उसकी डेटा शीट अथवा स्पेसिफिकेशन्स को पढ़कर आगे बढ़ना चाहिए। इसके बाद उन्होंने मिशन प्लानर के माध्यम से ड्रोन कैलिब्रेशन का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। इसके पश्चात सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर ईशा गुप्ता ने पीआईडी कंट्रोलर से छात्रों का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि पीआईडी कंट्रोलर ड्रोन को संतुलित रखकर उसकी उड़ान को नियंत्रित और स्थिर बनाए रखने का कार्य करता है। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कम्युनिकेशन लैब में छात्रों के लिए विशेष व्यावहारिक सत्र आयोजित हुआ। इस दौरान छात्रों ने अत्यधिक उत्साह के साथ ड्रोन के विभिन्न कंपोनेंट्स को आपस में असेंबल करना सीखा और पूरी प्रक्रिया का भरपूर आनंद लिया।

न्यायाधीश

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसान : डॉ. कल्पना जौहरी



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आई ईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की।डॉ. जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है। मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया। छात्रों ने इस विशेष व्याख्यान में पूरी रुचि से प्रतिभाग किया और व्याख्यान के अंत में अपने प्रश्नों को भी पूछा।कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव, द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंदु मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

न्यायाधीश

सकारात्मक मनोबल से बनता है संगठन का भविष्य : किरण साह

प्रेरणा ही कर्मचारियों की उत्पादकता की नींव : पूजनारायण

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार को 'मनोबल एवं प्रेरणाः कार्यस्थल पर प्रदर्शन के निर्णायक आधार' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नेपाल से आए दो विद्वान शोधार्थियों ने विद्यार्थियों को कर्मचारियों के मनोबल, प्रेरणा, उत्पादकता और फंड प्रबंधन की व्यावहारिक समझ दी। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि दोनों वक्ता विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के. रा. रा. ब. रामस्वरूप रामसागर बहुमुखी कैंपस, जनकपुरधाम, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल की सहायक प्रोफेसर सुश्री किरण कुमारी साह ने 'मनोबल' पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि मनोबल कर्मचारियों की सामूहिक, मानसिक स्थिति, उत्साह, आत्मविश्वास, संतुष्टि और संगठन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। यह केवल व्यक्तिगत भावना नहीं, बल्कि समूह के रूप में कार्य करने और संगठन से जुड़े रहने की क्षमता भी है। उन्होंने कहा कि जब कर्मचारियों में उच्च मनोबल होता है, तो वे अपने कार्य में रूचि लेते हैं, टीम के साथ बेहतर सहयोग करते हैं, समस्याओं का साहसपूर्वक समाधान करते हैं और संगठन के लक्ष्यों को अपना मानते हैं। इसके विपरीत निम्न मनोबल की स्थिति में असंतोष, निराशा, अनुपस्थिति, कार्य में रूचि की कमी और उत्पादकता में गिरावट देखी जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि फंड प्रबंधन में निवेशकों के धन का उचित, सुरक्षित और लाभकारी उपयोग किया जाता है। इसमें जोखिम, रिटर्न, बाजार की स्थिति और निवेश योजना का संतुलन बनाना आवश्यक होता है। कार्यशाला के दूसरे वक्ता पूजनारायण साह, प्रोजेक्ट मैनेजर, सेव द चिल्ड्रेन नेपाल ने 'प्रेरणा' विषय पर विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रेरणा का अर्थ है–किसी व्यक्ति को गति देना, प्रेरित करना या कार्य की ओर आगे बढ़ाना। मानव संसाधन प्रबंधन में यह प्रक्रिया कर्मचारियों की आवश्यकताओं, इच्छाओं, योग्यताओं और अपेक्षाओं को समझकर उन्हें खुशी एवं अधिक उत्पादकता से कार्य करने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोई जबरन थोपी गई प्रक्रिया नहीं है। यह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें कर्मचारियों को उपयुक्त कार्य वातावरण, सम्मान, अवसर और सहयोग देकर उनकी आंतरिक ऊर्जा जगाई जाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राकेश उपाध्याय ने कहा कि किरण कुमारी साह और पूजनारायण साह पीयू के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुशील सिंह ने अतिथियों एवं सभी उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन डॉ. अंजनी मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रिंस सिंह, डॉ. नितिन चौहान सहित विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लोकभारती

सकारात्मक मनोबल से बनता है संगठन का भविष्य

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार को 'मनोबल एवं प्रेरणारू कार्यस्थल पर प्रदर्शन के निर्णायक आधार' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नेपाल से आए दो विद्वान शोधार्थियों ने विद्यार्थियों को कर्मचारियों के मनोबल, प्रेरणा, उत्पादकता और फंड प्रबंधन की व्यावहारिक समझ दी। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि दोनों वक्ता विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं।

कार्यक्रम की मुख्य वक्त रामस्वरूप रामसागर बहुमुखी कैंपस, जनकपुरधाम, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल की सहायक प्रोफेसर सुश्री किरण कुमारी साह ने 'मनोबल' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि मनोबल कर्मचारियों की सामूहिक, मानसिक स्थिति, उत्साह, आत्मविश्वास, संतुष्टि और संगठन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। यह केवल व्यक्तिगत भावना नहीं, बल्कि समूह के रूप में कार्य करने और संगठन से जुड़े रहने की क्षमता भी है। पूजनारायण साह, प्रोजेक्ट मैनेजर, सेव द चिल्ड्रेन नेपाल ने 'प्रेरणा' विषय पर विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रेरणा का अर्थ हैकृकिसी व्यक्ति को गति देना, प्रेरित करना या कार्य की ओर आगे बढ़ाना। मानव संसाधन प्रबंधन में यह प्रक्रिया कर्मचारियों की आवश्यकताओं, इच्छाओं, योग्यताओं और अपेक्षाओं को समझकर उन्हें खुशी एवं अधिक उत्पादकता से कार्य करने के लिए तैयार करना है। डॉ. प्रिंस सिंह, डॉ. नितिन चौहान सहित विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खबर कोश

"सेवा मेरा योगदान" के अंतर्गत फार्मेसी संस्थान में हुआ पौधरोपण

खबर कोश

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फार्मेसी संस्थान परिसर में मंगलवार को सेवा के 25 वर्ष-सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बी.फार्मा एवं डी. फार्मा के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। अभियान के तहत फार्मेसी संस्थान परिसर में व्यापक स्तर पर सफाई की गई, नए पौधे रोपे गए तथा पूर्व में लगे वृक्षों की टहनियों की छंटाई (प्रूनिंग) का कार्य संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने परिसर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर. के. सिंह ने अपने संदेश में कहा, सेवा और स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन की सहज कार्यशैली होनी चाहिए। युवा पीढ़ी जब समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझती है, तभी एक सशक्त और स्वच्छ भारत क ा निर्माण संभव है। फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र सिंह



ने कहा, फार्मेसी का क्षेत्र मूलतः जन-सेवा से जुड़ा है। इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा, परिसर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का सहयोग सराहनीय रहा। हमारा प्रयास रहेगा कि इस प्रकार की सेवा गतिविधियां निरंतर आयोजित होती रहें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. राजकुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह सहित संस्थान के सभी शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने अपने दैनिक जीवन में सेवा भावना और स्वच्छता को निरंतर बनाए रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

फ्लाइट कंट्रोलर होता है ड्रोन का ब्रेन: किरण वालिया

इंजीनियर ईशा गुप्ता ने सिखाए ड्रोन कंपोनेंट के असेंबल के गुर





खबर कोश

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर और सी-डैक, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय में मानवरहित विमान प्रणाली, सेंसर और उनके उपयोग विषय पर पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक जैसी उभरती तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है, जिससे उनमें तकनीकी कौशल, नवाचार और अनुसंधान के प्रति गहरी रुचि विकसित हो रही है।

बूटकैंप के दूसरे दिन तकनीकी सत्रों में छात्रों को ड्रोन के महत्वपूर्ण घटकों और विभिन्न आईसी की विस्तृत जानकारी दी गई। सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने कहा कि ड्रोन का ब्रेन उसका फ्लाइट कंट्रोलर होता है और किसी भी घटक को संचालित करने से पूर्व उसकी डेटा शीट अथवा स्पेसिफिकेशन्स को पढ़कर आगे बढ़ना चाहिए। इसके बाद उन्होंने मिशन प्लानर के माध्यम से ड्रोन कैलिब्रेशन का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। इसके पश्चात सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर ईशा गुप्ता ने पीआईडी कंट्रोलर से छात्रों का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि पीआईडी कंट्रोलर ड्रोन को संतुलित रखकर उसकी उड़ान को नियंत्रित और स्थिर बनाए रखने का कार्य करता है। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कम्युनिकेशन लैब में छात्रों के लिए विशेष व्यावहारिक सत्र आयोजित हुआ। इस दौरान छात्रों ने अत्यधिक उत्साह के साथ ड्रोन के विभिन्न कंपोनेंट्स को आपस में असेंबल करना सीखा और पूरी प्रक्रिया का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. ज्योति पी सिंह, डॉ. पारुल त्रिवेदी, पूनम सोनकर, प्रीति शर्मा, विशाल यादव, तुषार श्रीवास्तव, जया शुक्ला, सौरभ वी. कुमार, प्रेम चंद आदि शिक्षकगण विशेष रूप से मौजूद रहे, जिससे छात्रों का उत्साहवर्धन हुआ।

खबर कोश

सकारात्मक मनोबल से बनता है संगठन का भविष्य : किरण साह

प्रेरणा ही कर्मचारियों की उत्पादकता की नींव : पूजनारायण

खबर कोश



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में मनोबल एवं प्रेरणाः कार्यस्थल पर प्रदर्शन के निर्णायक आधार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नेपाल से आए दो विद्वान शोधार्थियों ने विद्यार्थियों को कर्मचारियों के मनोबल, प्रेरणा, उत्पादकता और फंड प्रबंधन की व्यावहारिक समझ दी। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि दोनों वक्ता विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के. रा. रा. ब. रामस्वरूप रामसागर बहुमुखी कैंपस, जनकपुरधाम, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल की सहायक प्रोफेसर सुश्री किरण कुमारी साह ने मनोबल पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि मनोबल कर्मचारियों की सामूहिक, मानसिक स्थिति, उत्साह, आत्मविश्वास, संतुष्टि और संगठन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। यह केवल व्यक्तिगत भावना नहीं, बल्कि समूह के रूप में कार्य करने और संगठन से जुड़े रहने की क्षमता भी है। उन्होंने कहा कि जब कर्मचारियों में उच्च मनोबल होता है, तो वे अपने कार्य में रूचि लेते हैं, टीम के साथ बेहतर सहयोग करते हैं, समस्याओं का साहसपूर्वक समाधान करते हैं और संगठन के लक्ष्यों को अपना मानते हैं। इसके विपरीत निम्न मनोबल की स्थिति में असंतोष, निराशा, अनुपस्थिति, कार्य में रूचि की कमी और उत्पादकता में गिरावट देखी जा सकती है।

उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि फंड प्रबंधन में निवेशकों के धन का उचित, सुरक्षित और लाभकारी उपयोग किया जाता है। इसमें जोखिम, रिटर्न, बाजार की स्थिति और निवेश योजना का संतुलन बनाना आवश्यक होता है। कार्यशाला के दूसरे वक्ता पूजनारायण साह, प्रोजेक्ट मैनेजर, सेव द चिल्ड्रेन नेपाल ने प्रेरणा विषय पर विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रेरणा का अर्थ है–किसी व्यक्ति को गति देना, प्रेरित करना या कार्य की ओर आगे बढ़ाना। मानव संसाधन प्रबंधन में यह प्रक्रिया कर्मचारियों की आवश्यकताओं, इच्छाओं, योग्यताओं और अपेक्षाओं को समझकर उन्हें खुशी एवं अधिक उत्पादकता से कार्य करने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोई जबरन थोपी गई प्रक्रिया नहीं है।

यह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें कर्मचारियों को उपयुक्त कार्य वातावरण, सम्मान, अवसर और सहयोग देकर उनकी आंतरिक ऊर्जा जगाई जाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राकेश उपाध्याय ने कहा कि किरण कुमारी साह और पूजनारायण साह पीयू के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुशील सिंह ने अतिथियों एवं सभी उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन डॉ. अंजनी मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रिंस सिंह, डॉ. नितिन चौहान सहित

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसान : डॉ. कल्पना जौहरी

पीयू में डायनामिक प्रोग्रामिंग पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

खबर कोश



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आई ईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की। डॉ. जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है। मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया।

छात्रों ने इस विशेष व्याख्यान में पूरी रुचि से प्रतिभाग किया और व्याख्यान के अंत में अपने प्रश्नों को भी पूछा।

कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव, द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंदु मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

थे आइडियल इंडिया

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसान : डॉ. कल्पना जौहरी

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन, जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आई ईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर



हल करती है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की। डॉ. जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है। मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया। छात्रों ने इस विशेष व्याख्यान में पूरी रुचि से प्रतिभाग किया और व्याख्यान के अंत में अपने प्रश्नों को भी पूछा। कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव, द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंदु मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

थे आइडियल इंडिया

सकारात्मक मनोबल से बनता है संगठन का भविष्य : किरण साह

प्रेरणा ही कर्मचारियों की उत्पादकता की नींव : पूजनारायण,मनोबल और प्रेरणा पर आयोजित कार्यशाला में बोले, नेपाली शोधार्थी

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार को ह्यमनोबल एवं प्रेरणाः कार्यस्थल पर प्रदर्शन के निर्णायक आधारह्न विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नेपाल से आए दो विद्वान शोधार्थियों ने विद्यार्थियों को कर्मचारियों के मनोबल, प्रेरणा, उत्पादकता और फंड प्रबंधन की व्यावहारिक समझ दी। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि दोनों वक्ता विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के. रा. रा. ब. रामस्वरूप रामसागर बहुमुखी कैंपस, जनकपुरधाम, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल की सहायक प्रोफेसर सुश्री किरण कुमारी साह ने ह्यमनोबलह्न पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि मनोबल कर्मचारियों की सामूहिक, मानसिक स्थिति, उत्साह, आत्मविश्वास, संतुष्टि और संगठन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। यह केवल व्यक्तिगत भावना नहीं, बल्कि समूह के रूप में कार्य करने और संगठन से जुड़े रहने की क्षमता भी है। उन्होंने कहा कि जब कर्मचारियों में उच्च मनोबल होता है, तो वे अपने कार्य में रूचि लेते हैं, टीम के साथ बेहतर सहयोग करते हैं, समस्याओं का साहसपूर्वक समाधान करते हैं और संगठन के लक्ष्यों को अपना मानते हैं। इसके विपरीत निम्न मनोबल की स्थिति में असंतोष, निराशा, अनुपस्थिति, कार्य में रूचि की कमी और उत्पादकता में गिरावट देखी जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि फंड प्रबंधन में निवेशकों के धन का उचित, सुरक्षित और लाभकारी उपयोग किया जाता है। इसमें जोखिम, रिटर्न, बाजार की स्थिति और निवेश योजना का संतुलन बनाना आवश्यक होता है। कार्यशाला के दूसरे वक्ता पूजनारायण साह, प्रोजेक्ट मैनेजर, सेव द चिल्ड्रेन नेपाल ने ह्यप्रेरणाह्न विषय पर विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रेरणा का अर्थ है– किसी व्यक्ति को गति देना, प्रेरित करना या कार्य की ओर आगे बढ़ाना। मानव संसाधन प्रबंधन में यह प्रक्रिया कर्मचारियों की आवश्यकताओं, इच्छाओं, योग्यताओं और अपेक्षाओं को समझकर उन्हें खुशी एवं अधिक उत्पादकता से कार्य करने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोई जबरन थोपी गई प्रक्रिया नहीं है। यह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें कर्मचारियों को उपयुक्त कार्य वातावरण, सम्मान, अवसर और सहयोग देकर उनकी आंतरिक ऊर्जा जगाई जाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राकेश उपाध्याय ने कहा कि किरण कुमारी साह और पूजनारायण साह पीयू के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुशील सिंह ने अतिथियों एवं सभी उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन डॉ. अंजनी मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रिंस सिंह, डॉ. नितिन चौहान सहित विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्कूल जाते समय छात्रा को ट्रक ने मारी टक्कर। मौके पर छात्रा की हुई दर्दनाक मौत

आइडियल इंडिया न्यूज
राजेश कपूर अयोध्या

अयोध्या। स्कूल जाते समय छात्रा को ट्रक ने मारी टक्कर। मौके पर छात्रा की हुई दर्दनाक मौत।त्रिलोकी नाथ इंटर कॉलेज चौरे बाजार में पढ़ती थी मृतक छात्रा। अयोध्या प्रयागराज हाईवे पर चौरे बाजार निधियांबा मोड़ पर हुई दुर्घटना। टक्कर मारने वाली ट्रक को पुलिस ने लिया कब्जे में। बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के चौरे बाजार के सल्हीपुर मठिया गांव की रहने वाली मृतक छात्रा। इसी क्रम में फिर हुई दुर्घटना एक महिला की हुई मौत अयोध्या प्रयागराज हाइवे पर दुबारा हुई दुर्घटना।अपने रिश्तेदार के यहां बाइक से जा रही महिला बाइक से गिरी सिर में आई गंभीर चोट। गंभीर चोट के कारण महिला की हुई मौत। अयोध्या प्रयागराज हाईवे पर एक ढाबे के समीप अचानक बाइक से गिर कर हुई थी गंभीर घायल।मृतका बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के चौरे बाजार परेमा गांव की रहने वाली।पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

उत्तर शक्ति

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसानः डॉ.कल्पना जौहरी

पीयू में डायनामिक प्रोग्रामिंग पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आई ईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।



मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की।

डॉ.जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है। मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया। छात्रों ने इस विशेष व्याख्यान में पूरी रुचि से प्रतिभाग किया और व्याख्यान के अंत में अपने प्रश्नों को भी पूछा।

कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव, द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंदु मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

उत्तर शक्ति

'सेवा मेरा योगदान' के अंतर्गत फामेर्सी संस्थान में हुआ पौधरोपण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फामेर्सी संस्थान परिसर में मंगलवार को 'सेवा के 25 वर्ष-सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के अंतर्गत 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया गया। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया गया।



कार्यक्रम में बी.फार्मा एवं डी.फार्मा के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। अभियान के तहत फामेर्सी संस्थान परिसर में व्यापक स्तर पर सफाई की गई, नए पौधे रोपे गए तथा पूर्व में लगे वृक्षों की टहनियों की छंटाई (प्रूनिंग) का कार्य संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने परिसर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर. के. सिंह ने अपने संदेश में कहा, 'सेवा और स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन की सहज कार्यशैली होनी चाहिए। युवा पीढ़ी जब समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझती है, तभी एक सशक्त और स्वच्छ भारत का निर्माण संभव है।'

फामेर्सी विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र सिंह ने कहा, फामेर्सी का क्षेत्र मूलतः जन-सेवा से जुड़ा है। इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा, ह्लपरिसर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का सहयोग सराहनीय रहा। हमारा प्रयास रहेगा कि इस प्रकार की सेवा गतिविधियां निरंतर आयोजित होती रहें।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. राजकुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह सहित संस्थान के सभी शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने अपने दैनिक जीवन में सेवा भावना और स्वच्छता को निरंतर बनाए रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

उत्तर शक्ति

फ्लाइट कंट्रोलर होता है ड्रोन का ब्रेन: किरण वालिया

इंजीनियर ईशा गुप्ता ने सिखाए ड्रोन कंपोनेंट के असेंबल के गुर, ड्रोन तकनीक और सेंसर पर बूटकैंप का दूसरा दिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर और सी-डैक, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय में 'मानवरहित विमान प्रणाली, सेंसर और उनके उपयोग' विषय पर पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक जैसी उभरती तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है, जिससे उनमें तकनीकी कौशल, नवाचार और अनुसंधान के प्रति गहरी रुचि विकसित हो रही है।

बूटकैंप के दूसरे दिन तकनीकी सत्रों में छात्रों को ड्रोन के महत्वपूर्ण घटकों और विभिन्न आईसी की विस्तृत जानकारी दी गई। सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने कहा कि ड्रोन का 'ब्रेन' उसका फ्लाइट कंट्रोलर होता है और किसी भी घटक को संचालित करने से पूर्व उसकी डेटा शीट अथवा स्पेसिफिकेशन्स को पढ़कर आगे बढ़ना चाहिए। इसके बाद उन्होंने 'मिशन प्लानर' के माध्यम से ड्रोन कैलिब्रेशन का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया।

इसके पश्चात सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर ईशा गुप्ता ने 'पीआईडी कंट्रोलर' से छात्रों का



परिचय कराया। उन्होंने बताया कि पीआईडी कंट्रोलर ड्रोन को संतुलित रखकर उसकी उड़ान को नियंत्रित और स्थिर बनाए रखने का कार्य करता है। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कम्युनिकेशन लैब में छात्रों के लिए विशेष व्यावहारिक सत्र आयोजित हुआ। इस दौरान छात्रों ने अत्यधिक उत्साह के साथ ड्रोन के विभिन्न कंपोनेंट्स को आपस में असेंबल करना सीखा और पूरी प्रक्रिया का भरपूर आनंद लिया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. ज्योति पी सिंह, डॉ. पारुल त्रिवेदी, पूनम सोनकर, प्रीति शर्मा, विशाल यादव, तुषार श्रीवास्तव, जया शुक्ला, सौरभ वी. कुमार, प्रेम चंद आदि शिक्षकगण विशेष रूप से मौजूद रहे, जिससे छात्रों का उत्साहवर्धन हुआ।

अवधानामा

जौनपुर/प्रयागराज/आजमगढ़/मैनपुरी

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसान : डॉ. कल्पना जौहरी

- पीयू में डायनामिक प्रोग्रामिंग पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

अवधनामा संवाददाता



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आई ईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की। डॉ. जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है। मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया। छात्रों ने इस विशेष व्याख्यान में पूरी रुचि से प्रतिभाग किया और व्याख्यान के अंत में अपने प्रश्नों को भी पूछा। कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव, द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंदु मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

कौटिल्य का भारत

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान, विद्यार्थियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने किया श्रमदान, पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान परिसर में मंगलवार को "सेवा के 25 वर्ष–सेवा मेरा योगदान" कार्यक्रम के अंतर्गत 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में बी.फार्मा एवं डी.फार्मा के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान के तहत फार्मेसी संस्थान परिसर में व्यापक सफाई की गई। इसके साथ ही नए पौधे रोपे गए और पहले से लगे वृक्षों की टहनियों की छंटाई की गई। विद्यार्थियों ने श्रमदान के माध्यम से परिसर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने में योगदान दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आरके सिंह ने अपने संदेश में कहा कि सेवा और स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि जीवन की सहज कार्यशैली होनी चाहिए। युवा पीढ़ी जब समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझती है, तभी सशक्त और स्वच्छ भारत का निर्माण संभव है। फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र सिंह ने कहा कि फार्मेसी का क्षेत्र मूल रूप से जनसेवा से जुड़ा है।

न्यूज फ्लिक्स टाइम

गाजियाबाद,बुधवार 14 अक्टूबर 2026

फ्लाइट कंट्रोलर होता है ड्रोन का ब्रेन: किरण वालिया

इंजीनियर ईशा गुप्ता ने सिखाए ड्रोन कंपोनेंट के असेंबल के गुर





न्यूजफ्लिक्स टाइम्स

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर और सी-डैक, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय में मानवरहित विमान प्रणाली, सेंसर और उनके उपयोग विषय पर पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक जैसी उभरती तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है, जिससे उनमें तकनीकी कौशल, नवाचार और अनुसंधान के प्रति गहरी रुचि विकसित हो रही है।

बूटकैंप के दूसरे दिन तकनीकी सत्रों में छात्रों को ड्रोन के महत्वपूर्ण घटकों और विभिन्न आईसी की विस्तृत जानकारी दी गई। सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने कहा कि ड्रोन का ब्रेन उसका फ्लाइट कंट्रोलर होता है और किसी भी घटक को संचालित करने से पूर्व उसकी डेटा शीट अथवा स्पेसिफिकेशन्स को पढ़कर आगे बढ़ना चाहिए। इसके बाद उन्होंने मिशन प्लानर के माध्यम से ड्रोन कैलिब्रेशन का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। इसके पश्चात सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर ईशा गुप्ता ने पीआईडी कंट्रोलर से छात्रों का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि पीआईडी कंट्रोलर ड्रोन को संतुलित रखकर उसकी उड़ान को नियंत्रित और स्थिर बनाए रखने का कार्य करता है। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कम्युनिकेशन लैब में छात्रों के लिए विशेष व्यावहारिक सत्र आयोजित हुआ। इस दौरान छात्रों ने अत्यधिक उत्साह के साथ ड्रोन के विभिन्न कंपोनेंट्स को आपस में असेंबल करना सीखा और पूरी प्रक्रिया का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. ज्योति पी सिंह, डॉ. पारुल त्रिवेदी, पूनम सोनकर, प्रीति शर्मा, विशाल यादव, तुषार श्रीवास्तव, जया शुक्ला, सौरभ वी. कुमार, प्रेम चंद आदि शिक्षकगण विशेष रूप से मौजूद रहे, जिससे छात्रों का उत्साहवर्धन हुआ।

न्यूज फ्लिक्स टाइम

जियाबाद/ कैंपस कॉर्नर

"सेवा मेरा योगदान" के अंतर्गत फामेर्सी संस्थान में हुआ पौधरोपण

न्यूजफ्लिक्स टाइम्स



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फामेर्सी संस्थान परिसर में मंगलवार को सेवा के 25 वर्ष-सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बी.फार्मा एवं डी. फार्मा के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। अभियान के तहत फामेर्सी संस्थान परिसर में व्यापक स्तर पर सफाई की गई, नए पौधे रोपे गए तथा पूर्व में लगे वृक्षों की टहनियों की छंटाई (प्रूनिंग) का कार्य संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने परिसर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर. के. सिंह ने अपने संदेश में कहा, सेवा और स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन की सहज कार्यशैली होनी चाहिए। युवा पीढ़ी जब समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझती है, तभी एक सशक्त और स्वच्छ भारत क ा निर्माण संभव है। फामेर्सी विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र सिंह ने कहा, फामेर्सी का क्षेत्र मूलतः जन-सेवा से जुड़ा है। इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा, परिसर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का सहयोग सराहनीय रहा। हमारा प्रयास रहेगा कि इस प्रकार की सेवा गतिविधियां निरंतर आयोजित होती रहें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. राजकुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह सहित संस्थान के सभी शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने अपने दैनिक जीवन में सेवा भावना और स्वच्छता को निरंतर बनाए रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

न्यूज फ्लिक्स टाइम

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसान : डॉ. कल्पना जौहरी

पीयू में डायनामिक प्रोग्रामिंग पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

न्यूजफ्लिक्स टाइम्स



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आई ईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की। डॉ. जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है। मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया।

छात्रों ने इस विशेष व्याख्यान में पूरी रुचि से प्रतिभाग किया और व्याख्यान के अंत में अपने प्रश्नों को भी पूछा।

कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव, द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंदु मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

न्यूज फ्लिक्स टाइम

सकारात्मक मनोबल से बनता है संगठन का भविष्य : किरण साह

प्रेरणा ही कर्मचारियों की उत्पादकता की नींव : पूजनारायण

न्यूजफ्लिक्स टाइम्स

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में मनोबल एवं प्रेरणाः कार्यस्थल पर प्रदर्शन के निर्णायक आधार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नेपाल से आए दो विद्वान शोधार्थियों ने विद्यार्थियों को कर्मचारियों के मनोबल, प्रेरणा, उत्पादकता और फंड प्रबंधन की व्यावहारिक समझ दी। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि दोनों वक्ता विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के. रा. रा. ब. रामस्वरूप रामसागर बहुमुखी कैंपस, जनकपुरधाम, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल की सहायक प्रोफेसर सुश्री किरण कुमारी साह ने मनोबल पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि मनोबल कर्मचारियों की सामूहिक, मानसिक स्थिति, उत्साह, आत्मविश्वास, संतुष्टि और संगठन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। यह केवल व्यक्तिगत भावना नहीं, बल्कि समूह के रूप में कार्य करने और संगठन से जुड़े रहने की क्षमता भी है। उन्होंने कहा कि जब कर्मचारियों में उच्च मनोबल होता है, तो वे अपने कार्य में रूचि लेते हैं, टीम के साथ बेहतर सहयोग करते हैं, समस्याओं का साहसपूर्वक समाधान करते हैं और संगठन के लक्ष्यों को अपना मानते हैं। इसके विपरीत निम्न मनोबल की स्थिति में असंतोष, निराशा, अनुपस्थिति, कार्य में रूचि की कमी और उत्पादकता में गिरावट देखी जा सकती है।

उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि फंड प्रबंधन में निवेशकों के धन का उचित, सुरक्षित और लाभकारी उपयोग किया जाता है। इसमें जोखिम, रिटर्न, बाजार की स्थिति और निवेश योजना का संतुलन बनाना आवश्यक होता है। कार्यशाला के दूसरे वक्ता पूजनारायण साह, प्रोजेक्ट मैनेजर, सेव द चिल्ड्रेन नेपाल ने प्रेरणा विषय पर विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रेरणा का



अर्थ है—किसी व्यक्ति को गति देना, प्रेरित करना या कार्य की ओर आगे बढ़ाना। मानव संसाधन प्रबंधन में यह प्रक्रिया कर्मचारियों की आवश्यकताओं, इच्छाओं, योग्यताओं और अपेक्षाओं को समझकर उन्हें खुशी एवं अधिक उत्पादकता से कार्य करने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोई जबरन थोपी गई प्रक्रिया नहीं है।

यह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें कर्मचारियों को उपयुक्त कार्य वातावरण, सम्मान, अवसर और सहयोग देकर उनकी आंतरिक ऊर्जा जगाई जाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राकेश उपाध्याय ने कहा कि किरण कुमारी साह और पूजनारायण साह पीयू के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुशील सिंह ने अतिथियों एवं सभी उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन डॉ. अंजनी मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रिंस सिंह, डॉ. नितिन चौहान सहित विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पहल टुडे

सकारात्मक मनोबल से बनता है संगठन का भविष्य : किरण साह

प्रेरणा ही कर्मचारियों की उत्पादकता की नींव : पूजनारायण

पहल टुडे



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में मनोबल एवं प्रेरणाः कार्यस्थल पर प्रदर्शन के निर्णायक आधार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नेपाल से आए दो विद्वान शोधार्थियों ने विद्यार्थियों को कर्मचारियों के मनोबल, प्रेरणा, उत्पादकता और फंड प्रबंधन की व्यावहारिक समझ दी। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि दोनों वक्ता विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के. रा. रा. व. रामस्वरूप रामसागर बहुमुखी कैंपस, जनकपुरधाम, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल की सहायक प्रोफेसर सुश्री किरण कुमारी साह ने मनोबल पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि मनोबल कर्मचारियों की सामूहिक, मानसिक स्थिति, उत्साह, आत्मविश्वास, संतुष्टि और संगठन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। यह केवल व्यक्तिगत भावना नहीं, बल्कि समूह के रूप में कार्य करने और संगठन से जुड़े रहने की क्षमता भी है। उन्होंने कहा कि जब कर्मचारियों में उच्च मनोबल होता है, तो वे अपने कार्य में रूचि लेते हैं, टीम के साथ बेहतर सहयोग करते हैं, समस्याओं का साहसपूर्वक समाधान करते हैं और संगठन के लक्ष्यों को अपना मानते हैं। इसके विपरीत निम्न मनोबल की स्थिति में असंतोष, निराशा, अनुपस्थिति, कार्य में रूचि की कमी और उत्पादकता में गिरावट देखी जा सकती है।

उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि फंड प्रबंधन में निवेशकों के धन का उचित, सुरक्षित और लाभकारी उपयोग किया जाता है। इसमें जोखिम, रिटर्न, बाजार की स्थिति और निवेश योजना का संतुलन बनाना आवश्यक होता है। कार्यशाला के दूसरे वक्ता पूजनारायण साह, प्रोजेक्ट मैनेजर, सेव द चिल्ड्रेन नेपाल ने प्रेरणा विषय पर विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रेरणा का अर्थ है–किसी व्यक्ति को गति देना, प्रेरित करना या कार्य की ओर आगे बढ़ाना। मानव संसाधन प्रबंधन में यह प्रक्रिया कर्मचारियों की आवश्यकताओं, इच्छाओं, योग्यताओं और अपेक्षाओं को समझकर उन्हें खुशी एवं अधिक उत्पादकता से कार्य करने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोई जबरन थोपी गई प्रक्रिया नहीं है।

यह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें कर्मचारियों को उपयुक्त कार्य वातावरण, सम्मान, अवसर और सहयोग देकर उनकी आंतरिक ऊर्जा जगाई जाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राकेश उपाध्याय ने कहा कि किरण कुमारी साह और पूजनारायण साह पीयू के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुशील सिंह ने अतिथियों एवं सभी उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन डॉ. अंजनी मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रिंस सिंह, डॉ. नितिन चौहान सहित विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसान : डॉ. कल्पना जौहरी

पीयू में डायनामिक प्रोग्रामिंग पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

पहल टुडे



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आई ईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की। डॉ. जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है। मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया।

छात्रों ने इस विशेष व्याख्यान में पूरी रुचि से प्रतिभाग किया और व्याख्यान के अंत में अपने प्रश्नों को भी पूछा।

कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव, द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंदु मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

पहल टुडे

गाजियाबाद / जौनपुर / बरेली

गाजियाबाद,बुधवार 14 अक्टूबर 2026

"सेवा मेरा योगदान" के अंतर्गत फामेर्सी संस्थान में हुआ पौधरोपण

पहल टुडे

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फामेर्सी संस्थान परिसर में मंगलवार को सेवा के 25 वर्ष-सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बी.फार्मा एवं डी. फार्मा के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। अभियान के तहत फामेर्सी संस्थान परिसर में व्यापक स्तर पर सफाई की गई, नए पौधे रोपे गए तथा पूर्व में लगे वृक्षों की टहनियों की छंटाई (प्रूनिंग) का कार्य संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने परिसर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर. के. सिंह ने अपने संदेश में कहा, सेवा और स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन की सहज कार्यशैली होनी चाहिए। युवा पीढ़ी जब समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझती है, तभी एक सशक्त और स्वच्छ भारत क ा निर्माण संभव है। फामेर्सी विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र सिंह



ने कहा, फामेर्सी का क्षेत्र मूलतः जन-सेवा से जुड़ा है। इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा, परिसर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने के लिए सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का सहयोग सराहनीय रहा। हमारा प्रयास रहेगा कि इस प्रकार की सेवा गतिविधियां निरंतर आयोजित होती रहें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. राजकुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह सहित संस्थान के सभी शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने अपने दैनिक जीवन में सेवा भावना और स्वच्छता को निरंतर बनाए रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

फ्लाइट कंट्रोलर होता है ड्रोन का ब्रेन: किरण वालिया

इंजीनियर ईशा गुप्ता ने सिखाए ड्रोन कंपोनेंट के असेंबल के गुर





पहल टुडे

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर और सी-डैक, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय में मानवरहित विमान प्रणाली, सेंसर और उनके उपयोग विषय पर पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक जैसी उभरती तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है, जिससे उनमें तकनीकी कौशल, नवाचार और अनुसंधान के प्रति गहरी रुचि विकसित हो रही है।

बूटकैंप के दूसरे दिन तकनीकी सत्रों में छात्रों को ड्रोन के महत्वपूर्ण घटकों और विभिन्न आईसी की विस्तृत जानकारी दी गई। सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने कहा कि ड्रोन का ब्रेन उसका फ्लाइट कंट्रोलर होता है और किसी भी घटक को संचालित करने से पूर्व उसकी डेटा शीट अथवा स्पेसिफिकेशन्स को पढ़कर आगे बढ़ना चाहिए। इसके बाद उन्होंने मिशन प्लानर के माध्यम से ड्रोन कैलिब्रेशन का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। इसके पश्चात सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर ईशा गुप्ता ने पीआईडी कंट्रोलर से छात्रों का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि पीआईडी कंट्रोलर ड्रोन को संतुलित रखकर उसकी उड़ान को नियंत्रित और स्थिर बनाए रखने का कार्य करता है। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कम्युनिकेशन लैब में छात्रों के लिए विशेष व्यावहारिक सत्र आयोजित हुआ। इस दौरान छात्रों ने अत्यधिक उत्साह के साथ ड्रोन के विभिन्न कंपोनेंट्स को आपस में असेंबल करना सीखा और पूरी प्रक्रिया का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. ज्योति पी सिंह, डॉ. पारुल त्रिवेदी, पूनम सोनकर, प्रीति शर्मा, विशाल यादव, तुषार श्रीवास्तव, जया शुक्ला, सौरभ वी. कुमार, प्रेम चंद आदि शिक्षकगण विशेष रूप से मौजूद रहे, जिससे छात्रों का उत्साहवर्धन हुआ।

वर्ल्ड ट्रस्ट न्यूज़

गाजियाबाद,बुधवार 14 अक्टूबर 2026

फ्लाइट कंट्रोलर होता है ड्रोन का ब्रेन: किरण वालिय

इंजीनियर ईशा गुप्ता ने सिखाए ड्रोन कंपोनेंट के असेंबल के गु





वर्ल्ड ट्रस्टेड न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर और सी-डैक, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय में मानवरहित विमान प्रणाली, सेंसर और उनके उपयोग विषय पर पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक जैसी उभरती तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है, जिससे उनमें तकनीकी कौशल, नवाचार और अनुसंधान के प्रति गहरी रुचि विकसित हो रही है।

बूटकैंप के दूसरे दिन तकनीकी सत्रों में छात्रों को ड्रोन के महत्वपूर्ण घटकों और विभिन्न आईसी की विस्तृत जानकारी दी गई। सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने कहा कि ड्रोन का ब्रेन उसका फ्लाइट कंट्रोलर होता है और किसी भी घटक को संचालित करने से पूर्व उसकी डेटा शीट अथवा स्पेसिफिकेशन्स को पढ़कर आगे बढ़ना चाहिए। इसके बाद उन्होंने मिशन प्लानर के माध्यम से ड्रोन कैलिब्रेशन का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया। इसके पश्चात सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर ईशा गुप्ता ने पीआईडी कंट्रोलर से छात्रों का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि पीआईडी कंट्रोलर ड्रोन को संतुलित रखकर उसकी उड़ान को नियंत्रित और स्थिर बनाए रखने का कार्य करता है। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कम्युनिकेशन लैब में छात्रों के लिए विशेष व्यावहारिक सत्र आयोजित हुआ। इस दौरान छात्रों ने अत्यधिक उत्साह के साथ ड्रोन के विभिन्न कंपोनेंट्स को आपस में असेंबल करना सीखा और पूरी प्रक्रिया का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. अजय मौर्य, डॉ ज्योति पी सिंह, डॉ. पारुल त्रिवेदी पूनम सोनकर, प्रीति शर्मा, विशाल यादव, तुषार श्रीवास्तव, जय शुक्ला, सौरभ वी. कुमार, प्रेम चंद आदि शिक्षकगण विशेष रूप से मौजूद रहे, जिससे छात्रों का उत्साहवर्धन हुआ।

वर्ल्ड ट्रस्ट न्यूज

सकारात्मक मनोबल से बनता है संगठन का भविष्य : किरण साह

प्रेरणा ही कर्मचारियों की उत्पादकता की नींव : पूजनारायण

वर्ल्ड ट्रस्टेड न्यूज



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में मनोबल एवं प्रेरणाः कार्यस्थल पर प्रदर्शन के निर्णायक आधार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नेपाल से आए दो विद्वान शोधार्थियों ने विद्यार्थियों को कर्मचारियों के मनोबल, प्रेरणा, उत्पादकता और फंड प्रबंधन की व्यावहारिक समझ दी। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि दोनों वक्ता विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के. रा. रा. ब. रामस्वरूप रामसागर बहुमुखी कैंपस, जनकपुरधाम, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल की सहायक प्रोफेसर सुश्री किरण कुमारी साह ने मनोबल पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि मनोबल कर्मचारियों की सामूहिक, मानसिक स्थिति, उत्साह, आत्मविश्वास, संतुष्टि और संगठन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। यह केवल व्यक्तिगत भावना नहीं, बल्कि समूह के रूप में कार्य करने और संगठन से जुड़े रहने की क्षमता भी है। उन्होंने कहा कि जब कर्मचारियों में उच्च मनोबल होता है, तो वे अपने कार्य में रूचि लेते हैं, टीम के साथ बेहतर सहयोग करते हैं, समस्याओं का साहसपूर्वक समाधान करते हैं और संगठन के लक्ष्यों को अपना मानते हैं। इसके विपरीत निम्न मनोबल की स्थिति में असंतोष, निराशा, अनुपस्थिति, कार्य में रूचि की कमी और उत्पादकता में गिरावट देखी जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि फंड प्रबंधन में निवेशकों के धन का उचित, सुरक्षित और लाभकारी उपयोग किया जाता है। इसमें जोखिम, रिटर्न, बाजार की स्थिति और निवेश योजना का संतुलन बनाना आवश्यक होता है। कार्यशाला के दूसरे वक्ता पूजनारायण साह, प्रोजेक्ट मैनेजर, सेवद चिल्ड्रेन नेपाल ने प्रेरणा विषय पर विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रेरणा का अर्थ है–किसी व्यक्ति को गति देना, प्रेरित करना या कार्य की ओर आगे बढ़ाना। मानव संसाधन प्रबंधन में यह प्रक्रिया कर्मचारियों की आवश्यकताओं, इच्छाओं, योग्यताओं और अपेक्षाओं को समझकर उन्हें खुशी एवं अधिक उत्पादकता से कार्य करने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोई जबरन थोपी गई प्रक्रिया नहीं है। यह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें कर्मचारियों को उपयुक्त कार्य वातावरण, सम्मान, अवसर और सहयोग देकर उनकी आंतरिक ऊर्जा जगाई जाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राकेश उपाध्याय ने कहा कि किरण कुमारी साह और पूजनारायण साह पीयू के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के पहले अंतर्राष्ट्रीय शोधार्थी हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुशील सिंह ने अतिथियों एवं सभी उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन डॉ. अंजनी मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रिंस सिंह, डॉ. नितिन चौहान सहित विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डायनामिक प्रोग्रामिंग से समस्याएं बनती हैं आसान : डॉ. कल्पना जौहरी

पीयू में डायनामिक प्रोग्रामिंग पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

वर्ल्ड ट्रस्टेड न्यूज



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवं आई ईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में सीएसई एवं आईटी के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग के तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कैसे जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर हल करती है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों - ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर की व्याख्या की। डॉ. जौहरी ने मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीक के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया तथा 0/1 नैपसैक, लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं में इसके उपयोग को बताया। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग में बड़े पैमाने पर होता है। मुख्य वक्ता ने कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नई शोध की संभावनाओं के बारे में चर्चा किया और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा किया।

छात्रों ने इस विशेष व्याख्यान में पूरी रुचि से प्रतिभाग किया और व्याख्यान के अंत में अपने प्रश्नों को भी पूछा।

कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव, द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिव्येंदु मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रशांत यादव, डॉ संतोष यादव, डॉ ज्ञानेंद्र पाल, डॉ सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे, कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

फ्लाइट कंट्रोलर होता है ड्रोन का ब्रेन: किरण वालिया

- पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक पर बूटकैंप का दूसरा दिन
- विद्यार्थियों ने सीखे कंपोनेंट असेंबल करने के गुर



जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और सी-डैक, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप के दूसरे दिन विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक, सेंसर और उनके उपयोग की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों से जोड़ना और उनके तकनीकी कौशल को विकसित करना है।

तकनीकी सत्र में सी-डैक, नोएडा की प्रोजेक्ट इंजीनियर किरण वालिया ने ड्रोन के विभिन्न घटकों और आईसी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फ्लाइट कंट्रोलर ड्रोन का ब्रेन होता है। किसी भी कंपोनेंट का इस्तेमाल करने से पहले उसकी डेटा शीट और तकनीकी विशेषताओं को समझना जरूरी है। उन्होंने 'मिशन प्लानर' के माध्यम से ड्रोन कैलिब्रेशन का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया।

इसके बाद प्रोजेक्ट इंजीनियर ईशा गुप्ता ने विद्यार्थियों को पीआईडी कंट्रोलर की कार्यप्रणाली समझाई। उन्होंने बताया कि यह ड्रोन की स्थिरता और उड़ान को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की कम्युनिकेशन लैब में आयोजित व्यावहारिक सत्र में विद्यार्थियों ने ड्रोन के विभिन्न कंपोनेंट्स को असेंबल करना सीखा। इससे उन्हें ड्रोन की संरचना और तकनीकी कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शैलेश प्रजापति, सुधीर सिंह, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. ज्योति पी. सिंह, डॉ. पारुल त्रिवेदी, पूनम सोनकर, प्रीति शर्मा, विशाल यादव, तुषार श्रीवास्तव, जया शुक्ला, सौरभ वी. कुमार और प्रेम चंद सहित शिक्षक मौजूद रहे।

जौनपुर धारा

फार्मेसी संस्थान में पौधरोपण कर दिया स्वच्छता का संदेश

'सेवा संकल्प अभियान' में बीफार्मा और डीफार्मा के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने किया प्रतिभाग

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान परिसर में मंगलवार को 'सेवा के 25 वर्ष-सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने परिसर की सफाई, पौधरोपण और पेड़ों की छंटाई कर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।



अभियान में बीफार्मा और डीफार्मा के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने परिसर में सफाई करने के साथ नए पौधे लगाए और पहले से लगे वृक्षों की टहनियों की छंटाई की।

आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देना रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके सिंह ने अपने संदेश में कहा कि सेवा और स्वच्छता को केवल एक दिन के अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र सिंह ने कहा कि फार्मेसी का क्षेत्र जनसेवा से जुड़ा है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करने में सहायक हैं। कार्यक्रम संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के सहयोग की सराहना करते हुए सेवा गतिविधियों को निरंतर आयोजित करने की बात कही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो. राजकुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह सहित संस्थान के शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में विद्यार्थियों ने दैनिक जीवन में स्वच्छता और सेवा भावना बनाए रखने का संकल्प लिया।

डायनामिक प्रोग्रामिंग से जटिल समस्याएं बनती हैं आसान: डॉ. कल्पना जौहरी

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय और आईईईई स्टूडेंट ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को कंप्यूटर साइंस एंडइंजीनियरिंग(सीएसई) एवं सूचना प्रौद्योगिकी(आईटी) के विद्यार्थियों के लिए डायनामिक प्रोग्रामिंग विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।



मुख्य वक्ता सी-डैक नोएडा की वैज्ञानिक-एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने डायनामिक प्रोग्रामिंग की कार्यप्रणाली समझाते हुए बताया कि इस तकनीक के माध्यम से जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर हल किया जा सकता है। उन्होंने इसके दो प्रमुख सिद्धांतों–ओवरलैपिंग सब-प्रॉब्लम्स और ऑप्टिमल सबस्ट्रक्चर–की जानकारी दी। डॉ.जौहरी ने उदाहरणों के जरिए मेमोइजेशन और टेबुलेशन तकनीकों के बीच अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने 0/1 नैपसैक और लॉन्गेस्ट कॉमन सबसीक्वेंस जैसी समस्याओं को हल करने में डायनामिक प्रोग्रामिंग की उपयोगिता बताई। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग जैसे क्षेत्रों में भी इस तकनीक का व्यापक उपयोग होता है। साथ ही कंप्यूटर साइंस में शोध की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। व्याख्यान में विद्यार्थियों ने रुचि के साथ सहभागिता की और विषय से जुड़े सवाल पूछे। कार्यक्रम का संचालन संयोजक रविकान्त यादव ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिव्येंदु मिश्र ने दिया। इस अवसर पर डॉ. प्रशांत यादव, डॉ. संतोष यादव, डॉ. ज्ञानेंद्र पाल, डॉ. सुनील यादव, पूर्णेन्द्र श्रीवास्तव, दीप्ति पांडे, अशोक यादव, दिलीप यादव, प्रवीण पांडे और कृष्ण कुमार यादव सहित विभाग के शिक्षक उपस्थित रहे।

सकारात्मक मनोबल से बनता है संगठन का भविष्य : किरण साह



जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार को 'मनोबल एवं प्रेरणाः कार्यस्थल पर प्रदर्शन के निर्णायक आधार' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें नेपाल से आए दो शोधार्थियों ने विद्यार्थियों को कर्मचारी मनोबल, प्रेरणा, उत्पादकता और फंड प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी।

कार्यशाला की मुख्य वक्ता नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय के जनकपुरधाम स्थित रामस्वरूप रामसागर बहुमुखी कैंपस की सहायक प्रोफेसर किरण कुमारी साह ने कहा कि कर्मचारियों का सकारात्मक मनोबल संगठन के विकास में अहम भूमिका निभाता है। उच्च मनोबल से कर्मचारियों में आत्मविश्वास, कार्य के प्रति रुचि और टीम भावना बढ़ती है। इसके विपरीत कम मनोबल से असंतोष, अनुपस्थिति और उत्पादकता में गिरावट आ सकती है। उन्होंने फंड प्रबंधन में जोखिम, रिटर्न और निवेश योजना के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता भी बताई। दूसरे वक्ता सेव द चिल्ड्रेन नेपाल के प्रोजेक्ट मैनेजर पूजनारायण साह ने कहा कि प्रेरणा कर्मचारियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करने वाली मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। सम्मान, सहयोग और अनुकूल कार्य वातावरण से उनकी कार्यक्षमता बढ़ाई जा सकती है। अध्यक्षता कर रहे डॉ. राकेश उपाध्याय ने बताया कि किरण कुमारी साह और पूजनारायण साह विभाग के पहले अंतरराष्ट्रीय शोधार्थी हैं। डॉ. अंजनी मिश्र ने संचालन किया, जबकि डॉ. सुशील सिंह ने आभार जताया। इस अवसर पर डॉ. प्रिंस सिंह, डॉ. नितिन चौहान सहित शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।